07 JAN 2022

जागरण

महिला का यूरो से भरा बैग आटो में छूटा, पुलिस ने ढूंढा

जागरण संवाददाता, दक्षिणी दिल्ली: बच्चे का इलाज कराने यूरोप से दिल्ली आई एक एनआरआइ महिला आटो में छह हजार यूरो से भरा बैग भूल गई। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने 45 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और रुपये से भरा बैग खोज निकाला। मालवीय नगर पुलिस टीम ने आटो में बैग में रखे 6000 यूरो, यानी लगभग पांच लाख रुपये खोजकर पीड़िता को सौंप दिए।

पुलिस के मुताबिक, पीड़ित महिला

बच्चे का इलाज कराने यूरोप से दिल्ली आई है एनआरआइ महिला, पुलिस ने 45 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल बैग खोज निकाला

ने तीन जनवरी को बताया कि वह एक थेरेपी सेंटर में बच्चे को छोड़कर किराये के घर के लिए निकली थी। वहां सामान निकालने के बाद पर्स भूल गई थी, लेकिन आटो का नंबर नहीं था। वह एनआरआइ है और पति के साथ यूरोप में रहती हैं। बच्चे का इलाज कराने भारत आई थीं।

एसएचओ इंस्पेक्टर केके मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 45 सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगालने के बाद आटो का नंबर ट्रेस किया। आटो शंकर नगर एक्सटेंशन, कृष्णानगर के पते पर निकला। पुलिस टीम वहां पहुंची तो पता चला कि जिसके नाम से आटो है उसने पांच साल पहले ही मोती नगर में डीलर को बेच दिया था। पुलिस डीलर के पास पहुंची तो उसने बताया कि आटो उसने मदनगीर निवासी संजीव को बेच दिया था।

पुलिस संजीव के पास दक्षिणपुरी पहुंची तो उसने बताया कि उसने आटो मामा राम गोपाल को चलाने के लिए दिया है। पुलिस राम गोपाल के घर पहुंची तो आटो उनके घर के पास खड़ा मिला। महिला का बैग भी आटो में पीछे रखा हुआ था। पुलिस ने 6000 यूरो से भरा बैग महिला को वापस कर दिया।

नवोदय टाइम्स

एनआरआई महिला ऑटो में भूली विदेशी करेंसी

नई दिल्ली, 6 जनवरी (नवोदय टाइम्स): बच्चे के इलाज के लिए यूरोप से दिल्ली आई एनआरआई महिला विदेशी करेंसी से भरा अपना बैग ऑटो में भूल गई। पर सूचना मिलते ही दक्षिणी दिल्ली जिले की मालवीय नगर थाना की पुलिस टीम ने कुछ ही घंटों के अंदर ऑटो की तलाश कर बैग बरामद कर लिया। उस बैग में 6000 यूरो रखे हुए थे। जिसकी इंडियन करेंसी में कीमत 5 लाख रुपयों से ज्यादा है। महिला ने बताया कि जल्दबाजी में बैग ऑटो के पीछे वाले हिस्से में रखकर भूल गई थी।

पुलिस के अनुसार पीड़ित महिला ने 3 जनवरी को पुलिस को कॉल करके जानकारी दी, की वह एक थेरेपी सेंटर में बच्चे को छोड़कर



4 क्षेत्रों में 45 कैमरे तलाशे तब मिला बैग

अपने किराए के घर के लिए निकली। वहां सामान निकालने के बाद पर्स भूल गई थी। लेकिन ऑटो का नम्बर नहीं था। उसने पुलिस को बताया कि वह एनआरआई है। पति के साथ यूरोप में रहती थी, लेकिन बच्चे की बीमारी की वजह से इंडिया वापस आई थी।

इस सूचना पर मालवीय नगर थाना की पुलिस ने जांच शुरू की। एसीपी हौज खास की देखरेख में एसएचओ के.के. मिश्रा, हेड कॉन्स्टेबल रवि कुमार और कॉन्स्टेबल बाबूलाल की टीम ने छानबीन करते हुए करीब 45 से 50 सीसीटीवी को चेक किया। आखिरकार पुलिस एक ऑटो का नंबर ट्रेस करने में कामयाब रही। जो शंकर नगर, एक्सटेंशन कृष्णा नगर के पते पर निकला।

जब पुलिस टीम वहां पहुंची तो पता चला कि जिसके नाम से ऑटो है, उसने तो 5 साल पहले ही मोती नगर में डीलर को बेच दिया था। पुलिस टीम जांच करती हुई मोतीनगर उस डीलर के यहां पहुंची तो पता चला कि वह दुकान ही बंद है। पता चला कि वह डीलर उत्तम नगर इलाके में रहता है। पुलिस टीम उत्तम नगर पहुंची और उस डीलर से बातचीत की तो उसने बताया कि ऑटो को उसने मदनगीर के रहने वाले एक संजीव नाम के शख्स को बेच दिया था।

संजीव के पास पुलिस टीम दक्षिणपुरी पहुंची तो उसने बताया कि उसने ऑटो चलाने के लिए अपने मामा को दिया है। पुलिस टीम फाइनली जब उसके मामा रामगोपाल के घर पर पहुंची तो ऑटो वहां पर पार्क किया हुआ मिल गया। पुलिस ने जब ऑटो की तलाशी ली तो देखा कि बैग ऑटो के पीछे वाले साइड में रखा हुआ है। जिसमें 6000 यूरो मिल गए। पुलिस टीम ने महिला को सकुशल बैग, 6000 यूरो के साथ वापस कर दिए।

Scanned with CamScanner